[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8240 **GC** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 12101302

Name of the Paper : Social and Political Philosophy (Indian & Western)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions choosing atleast **two** from each section.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्न चुनते हुए, किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Section–A / खंड अ

1. "Enlightenment is man's emergence from his self-incurred immaturity." In this context analyse Kant's notion of Enlightenment.

   "प्रबोधन मानव की स्वकृत अपरिपक्वता से उत्थान है।" इस संदर्भ में कान्ट के 'प्रबोधन' के संप्रत्यय का विश्लेषण कीजिए।

2. "The defence of liberty consists in the 'negative' goal of warding off interference." In this light explain the two concepts of liberty as analysed by Berlin.

"स्वतंत्रता की रक्षा हस्तक्षेप हटाने के 'निषेधात्मक उद्देश्य में निहित है ।" इसके प्रकाश में बर्लिन द्वारा विश्लेषित स्वतंत्रता के दो संप्रत्ययों की व्याख्या कीजिए ।

3. Can liberal equality be as strong foundation for political morality ? State how Dworkin brings the ideas of equality and 'good life' closer.

क्या उदारवादी समानता राजनैतिक नैतिकता का सशक्त आधार हो सकती है ? बताइए द्वोरकिन किस प्रकार समानता और 'अच्छे जीवन' के संप्रत्ययों को पास लाते हैं ?

4. Discuss the fundamental ideas as discussed by Rawls in his "Justice as Fairness: A Restatement."

"औचित्य के रूप में न्याय: एक पुनर्कथन" में रॉल्स द्वारा विवेचित मूलभूत विचारों की विवेचना कीजिए ।

Section–B / खंड ब

5. While a nation is "organized for a mechanical purpose", a society is "an end in itself." Explain Tagore's critique of nationalism in this light.

जहाँ एक राष्ट्र "एक यांत्रिक उद्देश्य के लिए संगठित" होता है वहीं एक समाज 'स्वयं में एक उद्देश्य' है । इसके प्रकाश में टैगोर की राष्ट्रवाद की आलोचना की व्याख्या कीजिए ।

6. How does Gandhi critique the bad effects of civilization ? What according to him is true civilization ?

गांधीजी किस प्रकार सभ्यता के बुरे प्रभावों की आलोचना की है ? उनके अनुसार सच्ची सभ्यता क्या है ?

7. Discuss M. N. Roy's idea of New Humanism as the basis of political organisation.

राजनैतिक संगठन के आधार के रूप में एम. एन. रॉय के नवीन मानवतावाद के विचार की विवेचना कीजिए ।